संकल्प से सिध्धि

ब्रह्माकुमारिझ

प्रस्तुति

ब्र. कु. प्रफुल्लचंद्र

संकल्प – मन की एक महान शक्ति है

- जो समग्र जड़ एवं चेतन सृष्टि को प्रभावित करती है|
- सब से तीव्र गति की भाषा संकल्प की भाषा है जो मुख के आवाज की गति से भी तेज गति से कार्य कराती है| मुख द्वारा या अन्य साधन द्वारा परिवर्तन की सफलता इतनी नहीं होगी जो संकल्प शक्ति द्वारा सम्पूर्ण रूप से होगी | इस संकल्प शक्ति द्वारा बहुत कार्य सफल होने की सिध्धि के अनुभव करेंगे | ४-१०-८१
- कितना भी दूर हो, कोई साधन नहीं हो, लेकिन संकल्प की भाषा द्वारा किसी को भी मेसेज दे सकते हो| अंत में यही संकल्पकी भाषा काम में आएगी | सायंस के साधन जब फेल हो जाते है तो सिर्फ यह साइलेंस का साधन काम आएगा| ४-१२-८५
- संकल्प का खजाना सब से श्रेष्ठ खजाना है और आपका श्रेष्ठ संकल्प ही ब्राह्मण जीवन का आधार है

संकल्प द्वारा सेकण्ड से भी कम समय में परमधाम पहुँच सकते हो| ओटोमेटिक रोकेट से भी तीव्र गति वाला रोकेट है| जिस आत्मा के पास पहुँचना चाहो वा जिस स्थान पर पहुँचना चाहो उसके समीप अपने को अनुभव कर सकते हो| २५-३-९५

इसीलिए कहा जाता है

संकल्प से *सृष्टि* बनती है

संकल्प से *संस्कार* परिवर्तन होता है

संकल्प से *सिध्धि* प्राप्त होती है

संकल्प सिध्धि का आधार संकल्प में एकाग्रता एवं द्रढता

- कोई भी सिद्धि के लिए एकांत, एकाग्रता और मन के संकल्पों की दृढ़ता बहुत ही महत्वपूर्ण है| १-१०-७५
- एकाग्रता अर्थात एक ही श्रेष्ठ संकल्प में सदा स्थित रहेना
- एकाग्रता का सम्बन्ध संकल्प, बोल और कर्म तीनो से है
- एकाग्रता से

  व्यर्थ संकल्पों की समाप्ति हो जाती है,

  स्थिति एक रस रहती है,

  समर्थपन आ जाता है,

  और समर्थ होने से सिध्धि हो जाती है |

- इसीलिए एकाग्रता को बढाओ तो सर्व हलचल समाप्त हो जायेगी |
- एकाग्रता के कारण वस्तु जैसी है वैसी दिखाई देगी २८-१२-७९

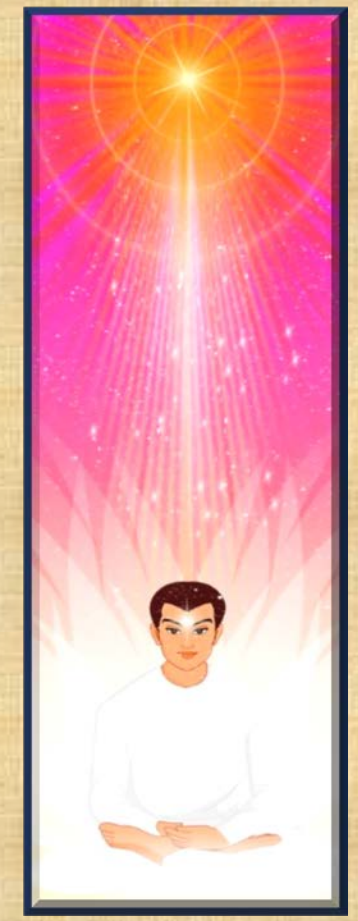

महेनत करते हुए भी सिध्धि प्राप्त क्यों नहीं होती

- प्रत्यक्ष फल की प्राप्ति के लिए हर सेकण्ड अपनी सम्पूर्ण, सर्वशक्ति सम्पन्न स्वरूप की स्मृति प्रत्यक्ष रूप में नहीं रहती
- में पुरूषार्थी हूँ, सम्पन्न हो ही जाउंगा, होना तो जरूर है, हमारा काम है महेनत करना, वो यथा शक्ति कर रहे है| यह संकल्प सर्वशक्ति संपन्न होने नहीं देता है|
- दृढ निश्चय और प्रत्यक्ष फल का बल भरा हुआ न होने के कारण प्रत्यक्ष सिध्धि नहीं होती|
- अनेक प्रकार के साधारण संकल्प आते है जैसे की, समय प्रमाण होना ही है, अभी सारे तैयार कहाँ हुए है, अभी तो आगे के नंबर ही तैयार नही हुए है, फाइनल तो आठ ही होने है| ऐसे ऐसे भविष्य के संकल्प करते रहते है| इसीलये प्रत्यक्ष फल भविष्य के फल के रूप में परिवर्तित हो जाता है|
- इसीलिए प्रत्यक्ष फल पाने के लिए संकल्प रूपी बिज को दृढ निश्चय रूपी जल से सींचना है और पावरफुल बनाना है| हुआ ही पडा है मुज से ही होना है| १-१०-७५

संकल्प शक्ति को सिध्धि स्वरूप बनाने की युक्तियाँ

- संकल्प शक्ति को कंट्रोल करना अर्थात अभी अभी परम धाम निवासी अभी अभी सुक्ष्म फरिस्ता बन जाये, अभी अभी साकार कर्मेन्द्रियो का आधार ले कर कर्म योगी बन जाए| इसी को कहा जाते है संकल्प शक्ति को कंट्रोल करना|
- जितना समय जो संकल्प चाहिए उतना समय ही वो चले| जहां बुद्धि लगाना चाहिए वहां ही लगे, इस को कहा जाता है अधिकारी| यह प्रक्टिस अभी कम है| इसीलिए एक ही संकल्प में स्थित होने का अभ्यास करो| १६-१०-७५
- श्रेष्ठ संकल्प की शक्ति को ऐसे स्वच्छ बनाओ जो ज़रा भी व्यर्थ की अस्वच्छता न हो| जिसको कहा जाता है लाइन क्लीअर | ४-१०-८१
- जितना जितना एक बाप और उन्हीं द्वारा सुनाई हुई नोलेज में वा उसी नोलेज द्वारा सेवा मे सदा बिझी रहने के अभ्यासी होंगे उतना श्रेष्ठ संकल्प होने के कारण लाइन क्लियर होगी | ४-१२-८५

- जब व्यर्थ संकल्प चलते है तो संकल्पों की गति अति तेज होती है जो अपनी रूहानी एनर्जी को वेस्ट करती है|
- व्यर्थ संकल्पों को ऐसा समजो जैसे बांस का जंगल हो जो एक से अनेक पैदा होते है और स्वयं को परेशान करते है|
- मैं शारीर नहीं आत्मा हूँ... मैं कल्प पहेले वाला बाप का वारिस बच्चा हूँ.... अधिकारी हूँ . मैं सिध्धि स्वरूप विजयी रत्न हूँ .... ऐसे अपने संकल्पों के खजाने वा एनर्जी को पहेचान ऐसे कार्य में लगाओ तब ही सर्व संकल्प सिध्ध होंगे और सिध्धि स्वरूप बन जायेंगे| ७-३-८२
- किसी भी संकल्प रूपी बीज को फलीभूत बनाने का साधन एक ही है| वह है सदा बिज रूप बाप से हर समय सर्व शक्तिओ का बल उस बिज में भरते रहेना | २८-११-८४
- अगर संकल्प रूपी बिज समर्थ है तो वाणी , कर्म, सम्बन्ध सहज ही समर्थ हो जाते है जो सिद्धि को प्राप्त कराता है २५-११-९३

- श्रेष्ठ और शुध्ध संकल्प में जीतनी ताकत है वो आपकी वाईब्रेशन पावर केच करने की पावर बहुत बढ़ा सकती है| वायरलेस, टेलीफोन, टी वी जैसे यह सायंस के साधन कार्य करता है वैसे यह शुध्ध समर्थ संकल्प ऐसा ही कार्य करेगा | इसीलिए अपनी एकाग्रता की शक्ति को बाढाओ
- बाप दादा अंडर लाइन करते है की अंतिम स्टेज, अंतिम सेवा यह संकल्प शक्ति बहुत फ़ास्ट सेवा कराएगी , इसीलिए संकल्प शक्ति के ऊपर और एटेंसन दो, बचाओ, जमा करो, बहुत काम आएगी, प्रयोगी भी इस संकल्प शक्ति से ही बनेगे १५-१२-९९
- संकल्पो को समर्थ और दृढ बनाने से ही काल पर भी विजय प्राप्त कर सकते हो ५-१२-७४

ॐ शांति

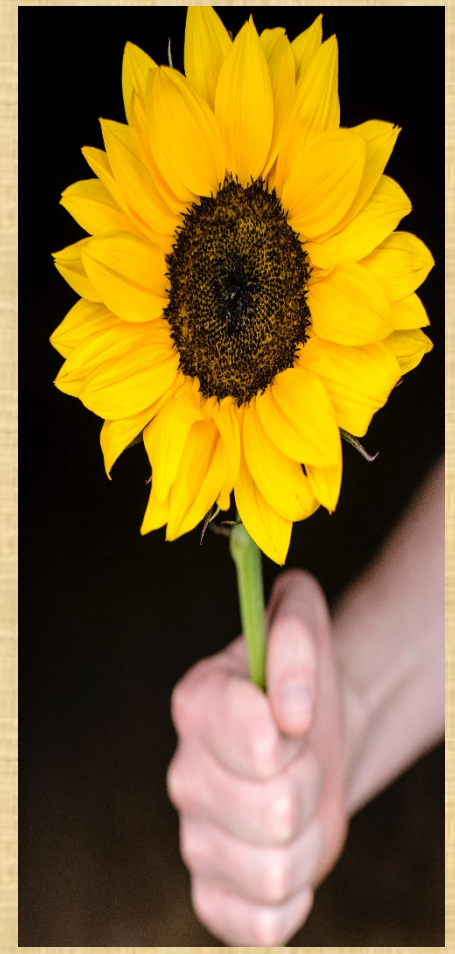

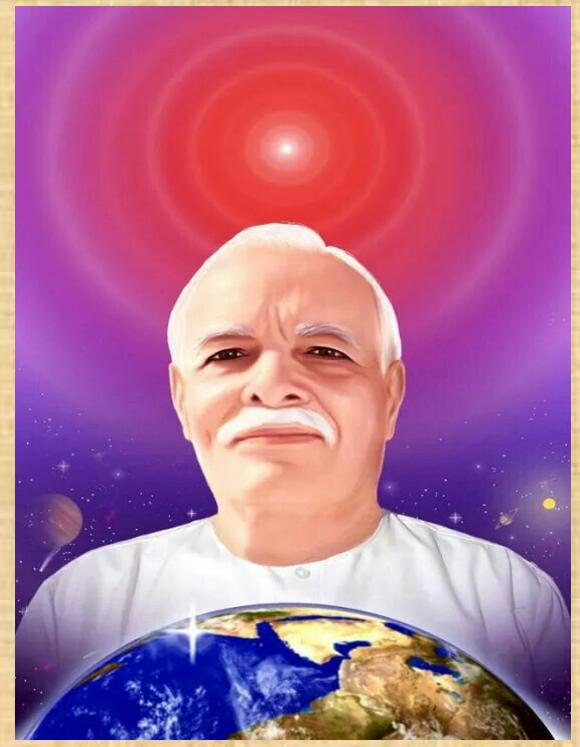

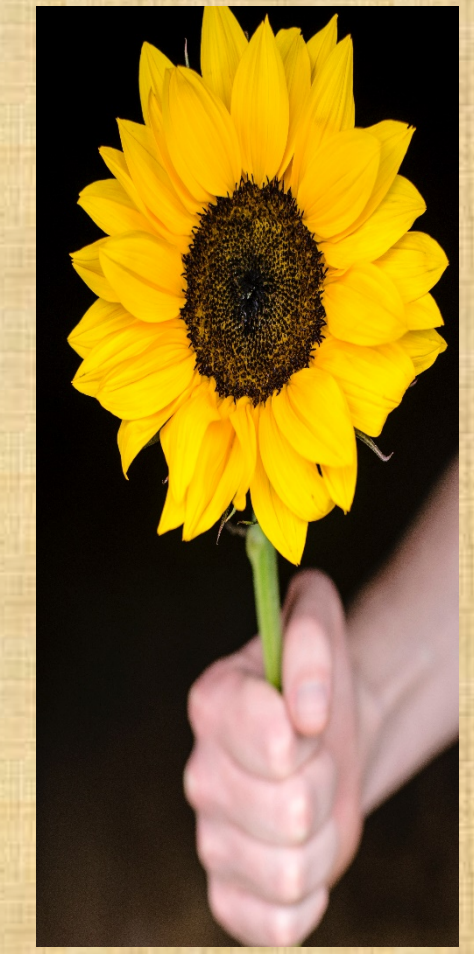

धन्यवाद